भाकृअनुप
ICAR

निर्जाफ्ट समाचार

आईएसओ 9001-2015 प्रमाणित संस्थान

खंड 22 अंक 1 अक्टूबर 2018 से मार्च 2019

इस अंक में

- कुछ शब्द डायरेक्टर के
- 81वां स्थापना दिवस
- राष्ट्रीय संगोष्ठी
- आईएमसी की बैठक
- विश्व मृदा दिवस
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
  - महिला किसान दिवस
  - इंटरफ़ेस बैठक
  - स्वच्छता पखवाड़ा
  - सीआरपी परियोजनाओं पर इंटरफ़ेस बैठक
- एबीआई के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - कृषि उदमियों की बैठक
  - वर्कशॉप - सह - आईपीआर क्लिनिक
  - हिंदी सेल की गतिविधियाँ
- *प्रदर्शनियों में भागीदारी
  - रहस्योद्घाटन भ्रमण एवं बाह्य कार्यक्रम
- *गृह गोष्ठी
  - स्वप्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - संस्था प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई
  - आईआरसी और आरएसी बैठक
- *सम्मेलन में भागीदारी
- *एससीएसपी के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम
  - कार्मिक

प्रमुख संपादक
डॉ.एन.सी. पान

संपादक मंडल
डॉ.जी. बासु
डॉ.एल. अम्मयप्पन
डॉ.एल.के. नायक
डॉ.एन. मृधा

अनुवाद एवं संपादन
किशुनलाल अहिरवार

फोटोग्राफी
श्री कौशिक मित्रा

मुद्रक
मेसर्स एस.के.जी.. मीडिया

कुछ शब्द डायरेक्टर के .....

पर्यावरण सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता ने नैसर्गिक रेशा उत्पादों के उपयोग की ओर सार्वत्रिक ध्यान आकृष्ट किया है। नैसर्गिक रेशा, उत्पाद को बेहतर विकल्प बनाते हैं यद्यपि उसका पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन, प्रसंस्करण और निपटान किया जाता है। विविध जलवायु परिस्थितियों से धन्य भारत को बहुतायत मात्रा में नैसर्गिक तंतुओं का उपहार मिला है; ऐसे रेशे पर्यावरण प्रिय, जैव-निम्नीकरणीय और अक्षय गुणों की खान हैं। रेशे हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि तथा उद्योग क्षेत्रों में रोजगार सृजन और विदेशी मुद्रा अर्जन के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुछ वर्षों में ऐसे नैसर्गिक तंतुओं में रेशा उत्पादकों, प्रसंस्करणकर्ताओं साथ ही इससे जुड़े उद्योग की आजीविका को खतरा पैदा करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में विविध चुनौतियां देखी गई हैं।

राष्ट्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए, भाकृअनुप-निर्जाफ्ट ने नैसर्गिक रेशों की कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी एवं प्रसंस्करणों पर बुनियादी और अनुप्रयुक्त शोध कार्य किया है। अग्रणी शोध संस्थान होने के नाते साथ ही समस्त नैसर्गिक तंतुओं से संबंधित ज्ञान हस्तांतरण तथा आर्थिक विकास गतिविधियों पर निरंतर कार्य करने के परिणामस्वरूप, 10 नवंबर 2018 को आयोजित 245वीं शासी निकाय की (जीबी)बैठक में परिषद ने नैसर्गिक रेशों के क्षेत्र में अनवरत कार्य करने हेतु संस्थान को बढ़ावा दिया है। तदनुसार, 3 जनवरी 2019 को संस्थान के 81वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान के प्रांगण में **भाकृअनुप-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान** के बतौर नाम बदलने की पट्टिका का अनावरण किया गया।

भाकृअनुप-निनफेट के पास नैसर्गिक रेशों के सतत विकास की विधियों का अन्वेषण करने और दुनिया भर में पर्यावरण के प्रति बढ़ती चेतना के प्रकाश में रेशा की संभावना को लेकर उद्योगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान हेतु रणनीतिक योजनाएं विद्यमान हैं। संस्थान के पास रेशा निष्कर्षण से लेकर विविध उत्पाद विकास के क्षेत्र में काम करने के लिए बहु-विधा में निपुण एक वैज्ञानिक समुदाय है।

इस अवधि के दौरान, संस्थान ने तीन स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए हैं यथा एक महिला किसान दिवस; एबीआई के तहत जूट हस्तकला पर पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम, एससीएसपी के तहत एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला-सह-आईपीआर क्लिनिक, उद्यमियों की बैठक; सीआरपी परियोजना के अंतर्गत नैसर्गिक रेशा विषयक कार्यशाला, कृषि उद्यमियों और नैसर्गिक रेशों के हितधारकों के लाभार्थ दस प्रदर्शनियों में भाग लिया। मुझे यह भी यकीन है कि संस्थान के प्रसार के परिणाम निश्चित रूप से नैसर्गिक रेशों से जुड़े हितधारकों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगे। मैं समाचार पत्र के इस अंक को प्रकाशित करने के लिए संपादक मंडल की प्रशंसा करता हूं।

डॉ. निमाई चंद्र पान
निदेशक

संस्थागत गतिविधियाँ

81वाँ स्थापना दिवस

संस्थान का 81वां स्थापना दिवस 3 जनवरी, 2019 को मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, दक्षिण एशिया बायोटेक केंद्र के अध्यक्ष और कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सी. डी. मायी ने स्थापना दिवस के अवसर पर "टेलेंट सर्च फॉर मेनिंग एग्री ट्री" विषयक व्याख्यान दिया। उन्होंने व्यक्त किया कि निनफेट दुनिया का एक अनूठा संस्थान है जो प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम कर रहा है। उन्होंने संस्थान से मौजूदा आवश्यकताओं के आधार पर प्रौद्योगिकी निर्माण कार्यक्रमों के पुन: उन्मुखीकरण के साथ-साथ नवाचारों को प्रोत्साहित करने, विकसित प्रौद्योगिकी और नेटवर्किंग के लिए जानकारी प्रदान करने, वैज्ञानिकों को पुनः प्रशिक्षित करने और उद्यमियों में जागरूकता पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने जूट, ओकरा, अनानास, केला, रैमी और नारियल रेशों के मूल्य संवर्धन पर भी जोर दिया, जिनकी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने, फसल के बाद के नुकसान को कम करने और वर्ष 2022 तक किसानों की आय बढ़ाने साथ ही किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए कृषि-उद्यमियों में बढ़ोत्तरी की भारत में जबरदस्त संभावनाएं हैं।

शिलान्यास का अनावरण

मंच पर बिराजे गणमान्य व्यक्ति

सभा को संबोधित करते डॉ. एस. एन. झा

स्थापना दिवस व्याख्यान देते डॉ. सी. डी. मायी

इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एस. एन. झा, सहायक महानिदेशक (प्रसंस्करण अभियांत्रिकी), आईसीएआर ने विभिन्न प्राकृतिक रेशों वाले विविध उत्पादों पर विशेष बल देते हुए प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निनफेट की उपलब्धियों पर अत्यंत संतोष व्यक्त किया। उन्होंने पिछले 80 वर्षों के दौरान राष्ट्र के प्रति संस्थान द्वारा किए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने भावी प्राथमिकताएँ तय करने पर जोर दिया है ताकि प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों को पहचानने के बास्ते केंद्रित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि संस्थान का नया नाम नए तकनीकी क्षेत्र में नए तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से एक नया प्रतिमान देगा।

डॉ. आलोक नाथ रॉय, निदेशक (कार्यकारिणी), आईसीएआर-निनफेट ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान की जेटी आरएल से शुरू होकर निर्जाफ्ट तक की यात्रा के दौरान हासिल ऐतिहासिक प्रगति के बारे में जानकारी दी। संस्थान वर्तमान में निनफेट नाम से जाना जाता है। उन्होंने निनफेट के वर्तमान केंद्र-बिंदु और भावी रणनीतियों पर बात कही। डॉ. गौतम बोस, एमपी प्रभागाध्यक्ष ने आईसीएआर-निनफेट के अनुसंधान, प्रौद्योगिकी निर्माण और मानव संसाधन विकास समेत संस्थान द्वारा राष्ट्र के प्रति किए गए योगदान का विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों के कर कमलों से वर्ष 2019 की राजभाषा गृहपत्रिका "देवांजलि" का विमोचन किया गया और दसवीं एवं बारहवीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निनफेट के समस्त सेवारत कर्मचारियों समेत बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी और अन्य आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय ने इस अवसर पर उपस्थित सबों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं भी आयोजन किया गया था।

राष्ट्रीय सेमिनार

द इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी (टिन्फ्स), कोलकाता आईसीएआर-निनफेट, राष्ट्रीय पटसन बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय), कोलकाता और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से आईसीएआर-निनफेट कोलकाता में " सतत विकास हेतु प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 2-3 फरवरी, 2019 के दरम्यान किया गया था।

स्वागत भाषण देते हुए डॉ.ए.एन.रॉय

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

सोसाईटी के अध्यक्ष डॉ. आलोक नाथ रॉय ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और किसानों के सतत विकास से संबंधित सोसायटी की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने जेटीआरएल से आईसीएआर-निनफेट तक की यात्रा का वृतांत सुनाया और इसका समाज पर पड़ने वाले प्रभावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बलपूर्वक कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब आईसीएआर-निनफेट रेशम, रेमी तथा सनई जैसे रेशों पर विशेष कार्य करते हुए बृहत्काय अनुसंधान प्रक्षेत्र के साथ आगे आएगा। उन्होंने प्राकृतिक रेशों के संसाधन प्रबंधनार्थ एनजेबी और नाबार्ड संगठनों द्वारा दिए जाने वाले सहयोग के बारे में भी विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अरविंद कुमार एम ने प्राकृतिक रेशा क्षेत्रों के सतत विकासार्थ एवं अत्याधुनिक शोध विचारों के आदान-प्रदान हेतु साझा मंच निर्माण पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजनार्थ टिन्फ्स और निनफेट को बधाई दी। उन्होंने जूट किसानों के लाभार्थ जूट मार्क विकसित करने पर जोर दिया ताकि किसानों को फसलों की अधिक कीमतें मिल सके। उन्होंने इस क्षेत्र में प्राकृतिक रेशों के उपयोग और आईसीएआर-निनफेट के योगदान के माध्यम से स्थायी विकास हेतु प्राकृतिक रेशों के प्रबंधन तथा रोजगार सृजनार्थ अपनाई जाने वाली अति आशावादी रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया है।

इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. के. के. सत्पथी ने बलपूर्वक कहा कि हमारे दैनिक जीवन में प्राकृतिक रेशेदार उत्पादों के प्रचार और उनके उपयोगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में मानव जीवन और पर्यावरण पर सिंथेटिक रेशों के उपयोग के पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने जेटीआरएल का नाम बदलकर निनफेट नाम दिए जाने के परिणामस्वरूप हुए संस्थानिक परिवर्तन पर अपनी खुशी व्यक्त की क्योंकि यह बदलाव प्राकृतिक रेशा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों से मेल खाता है। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ. गौतम बोस ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

स्मारिका – सह - सार पुस्तिका का विमोचन

मुख्य अतिथि का किया गया सम्मान

संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र और एक पोस्टर सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिनिधियों द्वारा 47 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए थे। प्रत्येक तकनीकी सत्र में प्राकृतिक रेशा का उत्पादन और गुणवत्ता वृद्धि – भविष्य पथ; प्राकृतिक रेशों में मूल्यवर्धन की रणनीतियाँ एवं भावी स्वरूप; प्राकृतिक रेशा अपशिष्ट के उपयोग में सुअवसर; प्राकृतिक रेशा प्रौद्योगिकी संवर्धन तथा विकास विषयक महत्वपूर्ण शोध लेख प्रस्तुत किए गए थे। सेमिनार के दोनों दिन ही एक स्टाल लगाकर संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था जिनकी सबने सराहना की थी। इस दौरान निनफेट के मनोरंजन क्लब ने संस्थान के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया और उसके बाद प्रथम दिन ही रात्रि भोज दिया गया।

मुख्य अतिथि का किया गया सम्मान

आईएसीएआर-निनफेट के निदेशक का किया गया सम्मान

जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंध निदेशक श्री ए. के. जॉली ने सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपास्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए द इंडियन नेचुरल फाइबर सोसाइटी (टिन्फ्स) और आईसीएआर-निनफेट के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सत्र के अतिथि, सत्राध्यक्ष एवं नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री गौतम सेन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राकृतिक रेशा क्षेत्र में उद्यम विकसित करने बावत नाबार्ड द्वारा प्रतिभागियों के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं और उन्हें मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वित्तीय संस्थानों और हितधारकों एक साथ मिलकर सहयोग करने का आग्रह किया ताकि उद्यमों का निर्वहन और विकास हो सके। रेपोर्टर्स द्वारा प्रत्येक तकनीकी सत्र की सिफारिशें अलग से प्रस्तुत की गई थीं। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक, आईसीएआर-निनफेट ने तकनीकी सत्रों के बारे में निर्णायक टिप्पणी दी। उन्होंने इस दो दिवसीय आयोजन में सक्रिय भागीदारी के लिए सभी प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। राष्ट्रीय स्तर की सभा में

अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए टिन्प्स ने प्रत्येक तकनीकी सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की। प्रत्येक सत्र के सत्राध्यक्ष द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेपर का चयन किया गया था और अभिवादन समारोह में उन पाँच पुरस्कारों को प्रदान किया गया था

आईएमसी की बैठक

70वीं संस्था प्रबंधन समिति की बैठक आईसीएआर के एडीजी (पीई) डॉ. एस.एन. झा की अध्यक्षता में और डॉ. ए.एन.रॉय, निदेशक (कार्यवाहक), निर्जाफ्ट, डॉ. रतन तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, आईआईडब्ल्यूबीआर करनाल, डॉ. एन. सी. पान, सीएंडबीपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. जी. बोस, एमपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. बिप्लव साहा, क्यूईआई प्रभागाध्यक्ष, डॉ. एस. सत्पथी, प्रधान वैज्ञानिक, क्राईजैफ, गैर-सरकारी सदस्य श्री सौमिक दे सरकार, श्री सनातन सरकार, श्री अमिताभ सिंह एफएओ और श्री नवीन कुमार झा, एसएओ की उपस्थिति में 05.10.2018 को सम्पन्न हुई।

सदस्यों ने समिति की 69वीं बैठक की सिफारिशों और लेखा परीक्षा पैरा के निपटान पर संस्थान द्वारा की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया। समिति ने चालू वित्त वर्ष में हुए खर्च पर भी संतोष व्यक्त किया जो बी.ई का 55% और भेजी गई रकम का 91% है। अध्यक्ष ने संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण, विस्तार, पेटेंट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रकाशन और परामर्शी कार्यों में प्राप्त उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में 11 निजी अस्पतालों के सशक्तिकरण के प्रस्ताव पर चर्चा की गई और इस हेतु सिफारिश की गई। डॉ. डी. पी. राय, प्रधान वैज्ञानिक ने "गुणवत्ता वाले रेशा की उपज हेतु जूट का त्वरित रिट्टींग" पर वैज्ञानिक प्रस्तुति दी। बैठक संस्थान के एसएओ श्री नवीन कुमार झा द्वारा दिए गए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

आईसीएआर-निनफेट की आईएमसी के सदस्य

डॉ. डी.पी.राय द्वारा प्रस्तुति

विश्व मृदा दिवस

डॉ. बिप्लब साहा, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. संजय देबनाथ, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. अतुल सिंघा, वैज्ञानिक ने फतेपुर ग्राम के पंचायत सदस्य मो. अब्दुल्ला मंडल, बांसबाना गाँव के पूर्व-पंचायत प्रधान श्री पार्थ रॉय और भबानीपुर हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के सचिव और भबानीपुर हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव लिमिटेड, हरिनघाटा, जिला- नादिया, पश्चिम बंगाल के सदस्य श्री पिंटू मंडल के साथ मिलकर गाँव- बांसबाना, पोस्ट ऑफिस- फतेपुर, पुलिश स्टेशन- हरिनघाटा, जिला- नदिया, पश्चिम बंगाल में 5 दिसंबर, 2018 को विश्व मृदा दिवस का पालन किया। कार्यक्रम में दो महिला सदस्यों सहित पच्चीस ग्रामीणों ने भाग लिया था। स्थानीय ग्राम प्रतिनिधियों ने मृदा जागरूकता कार्यक्रम आयोजन के लिए आईसीएआर-निर्जाफ्ट, कोलकाता का आभार व्यक्त किया है। डॉ. बिप्लब साहा ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई सिफारिशों के माध्यम से विश्व मृदा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मिट्टी के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से मिट्टी से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए किसान क्लब बनाने की अपील की। वैज्ञानिक डॉ. अतुल सिंघा ने कहा कि विभिन्न सूक्ष्मजीवों के महत्व को समझते हुए और वैज्ञानिक तरीकों से जैविक खाद का उपयोग करके मृदा के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है।

वैज्ञानिकों-किसानों की परस्पर वार्ता

वैज्ञानिकों-किसानों की परस्पर वार्ता

वैज्ञानिक डॉ.संजय देबनाथ ने) के प्लास्टिक मल्च को समाप्त कर जूट एग्रो-टेक्सटाइल (जेएटी) मल्च तथा अन्य प्राकृतिक मल्चिंग के उपयोग के अनेक लाभों पर व्याख्यान दिया। किसानों ने आईसीएआर-निनफेट के वैज्ञानिकों से चर्चा की और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट किया।

सतर्कता प्रशिक्षण सप्ताह

संस्थान में 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सभी अधिकारियों ने 29 अक्टूबर, 2018 को सतर्कता सप्ताह पर जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया और इस दौरान संस्थान एवं निकट के स्कूल में सतर्कता पर वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

मंच पर आसीन गणमान्य व्यक्ति

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग ले रहे कर्मचारी

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर प्रतिज्ञा लेते कर्मचारीगण

समापन समारोह का आयोजन 3 नवंबर, 2018 को किया गया था जिसमें डॉ. ए. एन. रॉय, निदेशक ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के महत्व को समझाया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी. एम. शर्मा, एसपी, सीबीआई, कोलकाता एवं सम्मानित अतिथि श्री बी. के. प्रधान, डीएसपी, सीबीआई ने सतर्कता तथा भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के साथ-साथ संबंधित सरकारी नियमों, विनियमनों के विभिन्न तरीकों का सार प्रस्तुत किया। श्री आर. डी. शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

महिला किसान दिवस

संस्थान ने 15 अक्टूबर को महिला किसान दिवस का आयोजन किया, जिसमें तीन अलग-अलग जिलों अर्थात नदिया, 24 परगना (दक्षिण) और हुगली के 43 किसानों ने भाग लिया। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक (कार्यकारणी) ने किसानों का स्वागत किया और डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय, प्रधान वैज्ञानिक ने संस्थान की गतिविधियों का महत्व बताया और कार्यक्रम के बारे में चर्चा की। महिला किसान, संस्थान के विभिन्न प्रभागों को देखने गए जहां उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को दृष्टिगत किया और लाइव वीडियो के माध्यम से धागे विकसित करने से लेकर हस्तनिर्मित कागज निर्माण तक के किए जा रहे के प्राकृतिक रेशा प्रसंस्करणों के प्रदर्शन का लाभ उठाया। महिला किसानों ने कृषि में महिला किसानों के महत्व को बताने के बास्ते आईसीएआर द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की।

पारस्परिक बैठक

किसानों, उद्यमियों और याक कृषि कर्म एवं उद्यमिता से जुड़े अन्य हितधारकों की पारस्परिक बैठक आईसीएआर-एनआरसी याक के संयुक्त प्रयास से 17 नवंबर, 2018 को अरुणाचल प्रदेश के दिरांग में आयोजित की गई थी।

गणमान्य व्यक्तियों के कर कमलों से दीप प्रज्जवलन

जूट:याक ऊन से बना लंबा कोट सैन्य कर्मी को भेट किया गया

आईसीएआर-एनआरसी याक के निदेशक (कार्यकारिणी) डॉ. विजय पॉल ने अपने संबोधन में अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए याक के किसानों की आजीविका में निरंतरता हेतु पारस्परिक बैठक के उद्देश्यों को बतलाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एस. एन झा, एडीजी (प्रसंस्करण अभियांत्रिकी) ने आईसीएआर-निर्जाफ्ट और आईसीएआर-एनआरसी द्वारा याक ऊन से मूल्य वर्धित उत्पादों के विकास पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने भारतीय सेना और अर्ध सैनिक बलों के अधिकारियों को जूट तंतु एवं याक ऊन के मिश्रण वाले कपड़े से बनाए गए लंबे कोटों को वितरित किया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित श्री सुरेश सुब्रमणियम, कमांडेंट, 30 वीं बटालियन, सशत्र सीमा बल (एसएसबी) ने बहुत ऊंचाई पर काम करने वाले सैन्य कर्मियों के लिए जूट तंतु एवं याक ऊन के मिश्रण वाले कपड़े से बने लंबे कोट के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. ए. एन. रॉय, निदेशक (कार्यकारिणी), आईसीएआर-निर्जाफ्ट ने दर्शकों को जानकारी दी कि जूट एवं याक के रेशों से विविध उत्पाद विकसित करने में आईसीएआर के दो संस्थान जुड़े हुए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में उद्यमिता के विकास पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम में याक पालन से जुड़े किसान; उद्यमी; एसएयू. केवीके, आईसीएआर के अनुसंधान एवं विकास कर्मियों; भारतीय सेना की महार रेजिमेंट, इंडो तिब्बतन सीमा पुलिस (आईटीबीटी), सशत्र सीमा बल (एसएसबी), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर माउंटेनियरिंग एंड अलाइड स्पोर्ट्स (निमास) की सेना के जवानों ने भाग लिया।

स्वछता पखवाड़ा

संस्थान में 16-31 दिसंबर, 2018 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह का पालन किया गया। इस अवधि के दौरान संस्थान के प्रांगण में पौधा रोपण किया गया। स्वच्छ भारत टीम ने 19.12.2018 को मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए गाँव - बरगछिया, धाहिन गोबिंदपुर, सोनारपुर और दक्षिण 24 परगना का दौरा किया और वहाँ पर किसानों के लिए स्वच्छता और स्वास्थरक्षा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए। इस कार्यक्रम में 40 महिला किसानों और 5 पुरुष किसानों के एक समूह ने भाग लिया था। किसान दिवस समारोह का आयोजन 22 दिसंबर, 2018 को किया गया था जिसमें 40 किसानों ने भाग लिया था। 31.12.2018 को आयोजित होने वाले समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नर्मदा स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती जयंती रे ने अपने संबोधन में समाज में स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए बच्चों के प्रति माँ की भूमिका पर प्रकाश डाला जो स्वच्छता के बारे में सबसे पहले अपनी माँ और फिर शिक्षक से शिक्षा ग्रहण करते हैं। उन्होंने विश्व को स्वच्छ तथा हरा-भरा रखने के लिए स्वच्छ पर्यावरण के मूल्यों की सीख देते हुए एक नागरिक होने की जिम्मेदारियों को बतलाया। संस्थान के निदेशक और समारोह के मुख्य अतिथि ने उन विजेता स्कूली छात्रों और कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किए जिन्होंने स्वच्छता जागरूकता को केंद्र मानकर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था।

मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन

विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण

सीआरपी परियोजनाओं पर अंतरिम बैठक

आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता में 26 फरवरी, 2019 को चल रही सीआरपी परियोजनाओं पर एक पारस्परिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न संगठनों जैसे- नाबार्ड, एनजेबी, इजमा, इजिरा, आईसीएआर-क्राईजैफ, एमएसएमई, एमएसएमई विकास संस्थान, बंगाल नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, उद्योग, राष्ट्रीय जूट निर्माता निगम लिमिटेड, जूट विकास निदेशालय, हेस्टिंग्स जूट मिल, मैसर्स मिलटेक्स इकोफेब्रिक प्रा. लि., कोयम्बटूर, मैसर्स डीप माइक्रोसिस्टम, मैसर्स पियाली हैंडीक्राफ्ट्स, मैसर्स बिपोटारिनी टेक्सटाइल्स, मैसर्स अनिसुर रहमान, मैसर्स सुधर्मा कृषि कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड और मैसर्स सोशल ऑर्गनाइजेशन ने भाग लिया। डॉ. एन.

सी पान, निदेशक, आईसीएआर-निर्जाफ्ट और नोडल अधिकारी, सीआरपी परियोजना ने बैठक में उपस्थित अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया और वर्तमान परिदृश्य में सीआरपी परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब प्राकृतिक रेशे फिर से बड़े पैमाने पर उभर रहे हैं। डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय-सह-नोडल अधिकारी, सीआरपी परियोजना ने सभा को संबोधित करते हुए सीआरपी परियोजनाओं के तहत विकसित प्रौद्योगिकियों को स्थानांतरित करने में पारस्परिक बैठक के महत्व को उजागर किया।

सीआरपी बैठक में उपस्थित जनसमूह

डॉ. वी. बी. शंभू द्वारा प्रस्तुत्ति

डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय द्वारा प्रस्तुति

डॉ. डी. पी. राय द्वारा प्रस्तुति

डॉ. के. के. सामंत द्वारा प्रस्तुति

डॉ. एस. देबनाथ द्वारा प्रस्तुति

इस दौरान डॉ. वी. बी. शंभू ने सीसल, सनई और अनानास से रेशा निकालने वाली मशीनों के विकास शीर्षक परियोजना की प्रगति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने अनानास की पत्ती से रेशा निकालने वाली मशीन, सीसल और सनई के रेशे निकालने वाली मशीनों के बारे में जिक्र करते हुए पश्चिम बंगाल के विभिन्न भागों में मशीनों से रेशा निकालने के किए जा रहे प्रदर्शनों से अवगत कराया। अतिथियों ने ग्रामीण किसानों को दिया जाने वाले अनानास की पत्ती से रेशा निकालने के प्रशिक्षण के भविष्य पर बल दिया। डॉ. डी. पी. राय ने जूट एवं संवर्गी तंतुओं की श्रेणीकरण प्रणाली और उपकरणों के विकास प्रगति पर प्रस्तुति दी। उन्होंनेकहा क्यूईएंडआई प्रभाग ने रेशा बंडलों की मजबूती मापने का इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, रेशा की बारीकी मापने का इलेक्ट्रॉनिक यंत्र, रेमी, अलसी, सीसल एवं सनई रेशों के रंग व चमक मापने के इलेक्ट्रॉनिक यंत्र विकसित किए हैं। उन्होंने सदन को सूचित किया कि अबतक लगभग 10 उपकरण विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों और मिलों को बेचे जा चुके हैं।

डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय ने 'घरेलू कपड़ों' को तैयार करने हेतु लिग्नोसेल्यूलोसिक रेशा के परिस्थितिक प्रिय रासायनिक प्रसंस्करणों में हुए विकास पर प्रस्तुति दी। उन्होंने जूट, केला और विस्कोजी रेशों का उपयोग करके दिव्चर- त्रिचर मिश्रण विकास के माध्यम से होने वाले मूल्य संवर्धन का वर्णन किया। हितधारकों ने जूट एवं केला रेशों से कपड़ा निर्माण के उद्देश्य से एक सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करने में रुचि दिखाई है। डॉ. के. के. सामंत ने जूट एवं याक ऊन के मिश्रण से कपड़ा विकसित करने के लिए j सतह वाली याक ऊन के साथ ही रूपान्तरण में हुई उन्नति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने जूट-याक मिश्रित कपड़े से विकसित विभिन्न उत्पादों यथा लंबे कोट, जैकेट, कालीन, शॉल आदि का वर्णन किया।

डॉ. संजय देबनाथ ने प्राकृतिक रेशा आधारित सामग्री से डिस्पोजेबल कैरी बैग की डिजाइन एवं विकास संबंध में हुई प्रगति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कैरी बैग तैयार करने के लिए विभिन्न प्रकार के डिजाइन और कपड़ों का चित्रण किया। उन्होंने कम लागत वाले कैरी बैग में सौंदर्य मूल्य संवर्धन पर बल दिया। सीआरपी परियोजना के तहत एक लगाई गई स्टाल में विकसित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। सभी प्रतिनिधियों ने सीआरपी परियोजनाओं के तहत विकसित उत्पादों एवं मशीनों का अवलोकन किया और किए गए प्रयासों की सराहना की।

यूबीआई के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम

पश्चिम बंगाल के हावड़ा, मालदा, सिलीगुड़ी और मुर्शिदाबाद जिलों के चार अलग-अलग स्थानों पर 21 फरवरी से 15 मार्च, 2019 के दरम्यान "जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण" का बारह दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण और अन्य स्थान पर " जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण" का अठारह दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन में किया गया था। इस कार्यक्रम के प्रत्येक समूह में कृषि आधारित शिल्प कार्यों से जुड़े बीस प्रगतिशील महिला किसानों ने भाग लिया था।.

प्रशिक्षण का शीर्षक	अवधि	स्थान
जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण	21 फरवरी- 4 मार्च 2019	झिंगरा फार्मर्स क्लब, जगतबल्लभपुर, हावड़ा
जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण	22 फरवरी- 5 मार्च 2019	आईसीएआरसीआईएस, कृषि विज्ञान केंद्र, मालदा, पश्चिम बंगाल
जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण	22 फरवरी- 7 मार्च 2019	शिव मंदिर, मटीगारा, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण	22 फरवरी- 7 मार्च, 2019	नक्सलबाड़ी, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
जूट से आधुनिक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण	23 फरवरी -15 मार्च, 2019	रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाची, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल

जगतबल्लभपुर में प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

कृषि - उद्यमियों की बैठक

आईसीएआर-निर्जाफ्ट में 25 मार्च 2019 को कृषि - उद्यमियों विशेषकर जिन्होंने पहले निर्जाफ्ट से प्रशिक्षण प्राप्त किया था, के लिए बैठक का आयोजन किया गया था जिसका उद्देश्य युवा उत्साही और ऊर्जावान उद्यमियों से व्यापार उपक्रमों के विस्तार की संभावनाओं का पता लगाना था। इस अवसर पर श्री अरविंद कुमार, आईएएस, सचिव, राष्ट्रीय जूट बोर्ड मुख्य अतिथि, डॉ. एस.एन. झा, एडीजी (पीई), आईसीएआर, डॉ. शिव दत्त, प्रधान वैज्ञानिक, आईपी एंड टीएम, आईसीएआर और डॉ. महादेब दत्ता, उप निदेशक, (तकनीकी) सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों समेत 20 उद्यमियों,18 इंकयूबेटरों एवं स्टार्ट-अप ने भाग लिया

था और उन्होंने वक्ताओं के साथ विषयपरक बिंदुओं पर वार्ता की थी।

डॉ. एन. सी. पान, निदेशक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. ए. एन. रॉय, प्रमुख अनुसंधाता, एबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम उन सभी हितधारकों के लिए एक मंच तैयार करेगा जहां पर वे एक साथ मिलकर अपनी आवश्यकताओं और जरूरी समाधानों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। डॉ. शिव दत्त ने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि आईपी एंड टीएम विभाग का मूल उद्देश्य तकनीकों की समुचित आपूर्ति के माध्यम से वित्त सहायता प्रणाली का निर्माण इत्यादि को लेकर उद्यमियों को हर तरह से सहायता करना था। डॉ. एस. एन. झा ने उद्यमियों को संस्थान के उत्पादों को आधुनिक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया और बल पूर्वक कहा कि वे एक ब्रांडेड तथा सर्वश्रेष्ठ उत्पाद का निर्माण करें ताकि उत्पाद निकट भविष्य में अधिक कीमत में बैचे जा सकें। श्री अरविंद कुमार ने स्टार्ट-अप और स्टैंडअप के लिए एनजेबी द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं और उसकी उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अपने कुछ बहुमूल्य विचारों को साझा किया जिसके द्वारा नए उद्यमी निकट भविष्य में अपना उद्यम शुरू कर सकते हैं।

मंच पर विराजे गणमान्य व्यक्ति

अतिथियों के साथ विचार-विमर्श करते उद्यमी

तकनीकी सत्र में श्री राजर्षि माजी, सहायक निदेशक, एमएसएमई विकास संस्थान ने अपने विभाग की योजनाओं और परियोजनाओं के बारे में सविस्तार बताया। नाबार्ड के सहायक महा प्रबंधक श्री प्रशांत दुबे ने नाबार्ड के विजन और नीतियों पर प्रकाश डाला। श्री सुदीप्ता साहा, संयुक्त निदेशक, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय के सहायक निदेशक श्री धूर्जती प्रसाद बोस ने भी हितधारकों के समक्ष अपने विचार रखे। डॉ. ए. एन. रॉय, प्रधान वैज्ञानिक-एबीआई ने स्टार्ट-अप के लिए जूट तथा अन्य प्राकृतिक रेशों से संबंधित लघु पैमाने वाले व्यापार मिलने वाले अवसरों को सविस्तार बताया। उन्होंने स्टार्ट-अप और फैसिलिटेटर्स के अभिसरण के लिए भी आग्रह किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एल. के. नायक ने बैठक को सफल बनाने के लिए विशेषज्ञों सहित सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला-सह-आईपीआर क्लिनिक

एक दिवसीय कार्यशाला सह बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) क्लिनिक का आयोजन 2 मार्च, 2019 को किया गया था। इस कार्यशाला में संस्थान के विभिन्न पहलुओं जैसे - आईपीआर पेटेंट, कॉपिराइट्स, ट्रेडमार्क, जैव विविधता कानून, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं व्यावसायीकरण बावत दिए गए आवेदनों पर चर्चा की गई। उसी तरह, दौरान शोधकर्ताओं द्वारा पेटेंट दाखिल करने के समय अनुभूति की गई समस्याओं पर विचार करने; उनका निपटान करने और पेटेंट कार्यालय में पेटेंट हेतु दिए गए आवेदनों की अगली प्रक्रिया में होने वाले विलंब को लेकर उनके द्वारा किए गए प्रश्नों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में आईसीएआर -निनफेट के वैज्ञानिक, एफ़एओ एवं एसएओ, आईसीएआर-सीफरी के पांच वैज्ञानिक, आईसीएआर–क्राईजैफ के दो वैज्ञानिक और एनजेबी के अधिकारी शामिल थे। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक (कार्यकारिणी) ने सम्मानित प्रतिभागियों का स्वागत किया और डॉ. ए. एन. रॉय, प्रभारी, आईटीएमयू एवं प्रमुख अनुसंधाता, एबीआई और टोट प्रभागाध्यक्ष ने परिचयात्मक अभिभाषण प्रस्तुत किया।

डॉ. सुशील कुमार मित्रा, पूर्व पेटेंट एवं डिज़ाइन उप नियंत्रक ने "बौद्धिक संपदा : वर्तमान शताब्दी में सामरिक व्यापार का उपकरण", "जैव विविधता अधिनियम के अंतर्गत पारंपरिक ज्ञान एवं जैव विविधता के संरक्षण के महत्व" विषयक दो व्याख्यान दिए। कोलकाता पेटेंट कार्यालय के पेटेंट एवं डिज़ाइन उप नियंत्रक डॉ. संतनु डे ने प्रतिभागियों

के समक्ष "भारत में पेटेंट प्रणाली" विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। आईसीएआर के सूचीबद्ध पेटेंट अटॉर्नी श्री अंजन सेन ने "बौद्धिक संपदा अधिनियम (आईपीआर संरक्षण) से जुड़े कानूनी मुद्दों" पर बहुत ही चौकाने वाला व्याख्यान दिया, इसके बाद आविष्कारकों के समक्ष कानूनी मामलों को लेकर आने वाली अड़चनों को लेकर एक सफल चर्चा हुई।

आईपीआर क्लीनिक में प्रस्तुति

आईसीएआर के पेटेंट अटॉर्नी श्री अंजन सेन द्वारा संबोधन

हिंदी सेल की गतिविधियाँ

राजभाषा की बैठक

तीसरी और चौथी तिमाही को समाप्त होने वाली राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें क्रमशः 17 दिसंबर 2018 और 27 फरवरी 2019 को निदेशक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रत्येक बैठक में पिछली तिमाही के एजेंडा आइटमों की पुष्टि की गई और संस्थान में राजभाषा के प्रचार संबंधी नए एजेंडा आइटमों पर चर्चाएँ की गई।

बैठक में सहभागिता

श्री आर. डी. शर्मा, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने सीएसआईआर-केंद्रीय काँच अनुसंधान संस्थान, 196 राजा एससी मलिक रोड, जादवपुर, कोलकाता - 700032 के एपीसी रॉय सेमिनार हॉल में 12 मार्च 2019 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कोलकाता (कार्यान्वयन-2) द्वारा आयोजित "सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी" विषयक विशेष कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण

संस्थान में हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "प्राज्ञ" प्रशिक्षण जुलाई से नवंबर, 2018 तक चलाया जा रहा है। इसके लिए संस्थान से 09 कर्मचारी प्रशिक्षण लेने के लिए नामित किए गए हैं।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में "हिंदी टिप्पणी एवं मसौदा लेखन", "भारत सरकार की राजभाषा नी ति व अनुपालन", "कंप्यूटर प र हिंदी" और "राजभाषा हिंदी में तकनीकी कार्य'' विषयक एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन क्रमशः 22/12/2018 और 16/02/2019 को किया गया था।

प्रदर्शनियों में भागीदारी

पश्चिम बंगाल के युवा विकास और आवास मंत्री श्री अरूप बिश्वास द्वारा 12 जून 2018 को आईसीएआर-निर्जाफ्ट के किए जाने वाले दौरे के अवसर पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संस्थान ने 15 अक्टूबर, 2018 को महिला किसान दिवस 2018 के अवसर पर अपने ही परिसर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। संस्थान ने इस अवधि के दौरान अपनी विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए भारत भर में आयोजित दस प्रदर्शनियों/कॉन्क्लेवों/ संगोष्ठियों और मेलों में भाग लिया।

सहभागिता प्रदर्शनियों का विवरण

कार्यक्रम	*आयोजक*	*स्थान*	*अवधि*
कृषि संबंधी क्रियाकलाप विषयक संगोष्ठी-सह-कार्यशाला	पश्चिम बंगाल	सबंग, पश्चिम मेदिनीपुर	अक्टूब 3र, 2018
महिला किसान दिवस 2018	आईसीएआर - निनफेट, कोलकाता	आईसीएआर - निनफेट	15 अक्टूबर, 2018
एग्री स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव	आईपीटीएम यूनिट, आईसीएआर, नई दिल्ली	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-16	अक्टूब 17र, 2018
भारतीय हस्तशिल्प एवं उपहार मेला	दिल्ली हस्तशिल्प निर्यात प्रोत्साहन परिषद	ग्रेटर नोएडा, नई दिल्ली	14-18 अक्टूबर, 2018
प्रदर्शनी कुंभ मेला 2019	आईसीएआर और आईआईएसआर	आईआईएसआर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	26-28 अक्टूबर, 2018
भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2018	भारत व्यापार संवर्धन संगठन	प्रगति मैदान, नई दिल्ली	14-27 नवंबर, 2018
एकीकृत कृषि प्रणाली पर कृषि समृद्धि मेला 2018 सह राष्ट्रीय कार्यशाला	आरएमए, सरगाछी और धान्यगंगा केवीके, आईसीएआर-सीआईएस, आरआरआरएस, मालदा और डीओए, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल	रामकृष्ण मिशन आश्रम, सरगाछी, मुर्शिदाबाद	28-31 दिसंबर, 2018
प्रदर्शनी प्रौद्योगिकी सप्ताह और जिला कृषि मेला 2019	कृषि विज्ञान केंद्र, जगतबल्लभपुर	कृषि विज्ञान केंद्र, जगतबल्बपुर, हावड़ा	14-16 जनवरी, 2019
सतत विकास हेतु प्राकृतिक रेशा संसाधन प्रबंधन विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी	टिन्फ्स, आईसीएआर - निनफेट, एनजेबी और नाबार्ड	आईसीएआर– निनफेट, कोलकाता	2-3 फरवरी, 2019
कृषि कुंभ मेला 2019	आईसीएआर – एमजीआईएफआर आई, मोतिहारी, आईसीएआर –आरसीईआर, पटना और डॉ. आरपीसीएयू, पूसा	मोतिहारी, बिहार	9-11 फरवरी, 2019
जिला कृषि मेला और प्रौद्योगिकी सप्ताह समारोह	शस्य श्यामला केवीके और रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान	केवीके परिसर, अरपंच, सोनारपुर	14-16 फरवरी, 2019
वीं ऑल इंडिया12,पीपुल्स टेक्नोलॉजी कांग्रेस	फ़ोरम ऑफ़ साइंटिस्ट्स, इंजीनियर्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट, कोलकाता	कोलकाता	17 फरवरी, 2019

राष्ट्रीय सेमिनार 2019

कृषि समृद्धि मेला 2018

फोएस्ट 2018

राष्ट्रीय संगोष्ठी 2019

कृषि कुंभ मेला 2019

कृषि मेला 2019, हावड़ा

विभिन्न प्रदर्शनियों/मेलों में संस्थान का स्टाल

रहस्योद्घाटन भ्रमण एवं बाह्य कार्यक्रम

निम्न स्थानों से आए प्रतिभागी	भ्रमण की तारीख	प्रतिभागीगण
कृषि महाविद्यालय, मांड्या, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर के छात्र	11 दिसंबर,2018	75
एमजीएमजी के तहत गोद लिए गए गांवों के प्रगतिशील किसान	22 दिसंबर,2018	40
पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के किसान (एटीएमए योजना के तहत)	18 जनवरी, 2019	27
बीएन कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, असम एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, बिस्वनाथ चायल, असम के छात्र	23 जनवरी, 2019	45
कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंसेज, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के छात्र	12 फरवरी, 2019	40

कृषि महाविद्यालय मांड्या से अध्ययन यात्रा पर आए छात्र

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय से अध्ययन यात्रा पर आए छात्र

असम कृषि विश्वविद्यालय से अध्ययन यात्रा पर आए छात्र

एटीएमए योजना के तहत किसानों का भ्रमण

गृह गोष्ठी

दिनांक	प्रस्तुतकर्ता	विषय
08.11.2018	श्री मंजूनाथा बीएस	आईसीएआर निर्जाफ्ट में ओरिएंटेशन ट्रेनिंग
22.02.2019	डॉ.एल. अम्मयप्पन	जूट वस्त्र का पर्यावरण अनुकूल सुगंधी परिसज्जन
01.03.2019	डॉ. के. के. सामंत	नेनो तकनीक का उपयोग करते हुए प्राकृतिक रेशा के पर्यावरण-अनुकूल मूल्य संवर्धन
08.03.2019	श्री एन. के. झा	ई-ऑफिस: एक परिचय

स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान ने जूट हस्तशिल्प, विरंजन, रंजन, जूट से आधुनिक आभूषण, जूट हैंडबैग/शॉपिंग बैग, और जूट से हस्तनिर्मित कागज जैसे विभिन्न विषयों पर तीन प्रकार के यथा स्व-प्रायोजित, बुनियादी और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किए हैं।

प्रशिक्षण क्षेत्र	अवधि	पुरुष प्रतिभागी	महिला प्रतिभागी
जूट से हस्तनिर्मित कागज	27 नवंबर से 1 दिसंबर, 2018	10	00
जूट से हस्तनिर्मित कागज	3-7 दिसंबर, 2018	09	00
जूट से हस्तनिर्मित कागज एवं आभूषण	7 – 21 जनवरी, 2019	04	11

लुगदी और कागज विषयक व्याख्यान

जूट हस्तशिल्प प्रशिक्षण

प्रशिक्षु द्वारा लुगदी का विकास

संस्था तकनीकी प्रबंधन इकाई (आईटीएमयू)

संस्थान की तकनीकी प्रबंधन इकाई ने क्रमशः 22.12.2018 और 16.03.2019 को आईटीएमयू की दो बैठकें आयोजित की हैं जिनमें पेटेंट / गैर-पेटेंट योग्य प्रौद्योगिकियों की प्रलेखन प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण, पेटेंट कार्यालय की प्रक्रिया के ताल-मेल का संक्षिप्त विवरण, नए पेटेंट का दाखिला और पुराने मामलों को अमल में ला ने पर चर्चाएं की गई हैं। डॉ. एस. देबनाथ, जी. के. भट्टाचार्य एवं यू. एस. सिंह ने "जूट एवं पॉलिएस्टर मिश्रण से पोले धागे विकसित करने और उसको तैयार करने की विधि का पेटेंट लेने के लिए 29.03.2019 को अपना आवेदन (संख्या:310348 -1102 / KOL / 2009) प्रस्तुत किया है।

ITMC Meetings

आईआरसी और आरएसी की बैठक

एनआईटीआई-IV संस्था शोध सभा (आईआरसी) की बैठक 15-16 मार्च, 2019 को आयोजित की गई थी। बैठक में डॉ. पी. के दास, पूर्व प्रोफेसर, बिधान चंद्र कृषि विश्व विद्यालय, मोहनपुर, कल्याणी, नदिया, डॉ. टी. के गुप्ता रॉय, पूर्व उप निदेशक इजिरा, कोलकाता, डॉ. सुनील कुमार सेटल, पूर्व प्रोफेसर जूट रेशा प्रौद्योगिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और डॉ. देबाशिष नाग, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-निर्जाफ्ट कोलकाता बाहरी विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। बैठक में चार नए तदर्थ परियोजना प्रस्ताव, चार चल रही तदर्थ परियोजनाएँ और बाईस चल रहीं अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। गहन चर्चा के बाद, चार नए शोध परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

XXVIIIवीं अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक 26-27 मार्च, 2019 को जेआईएस विश्वविद्यालय, कोलकाता के कुलपति डॉ. बी. सी. माल की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। सभी प्रभागाध्यक्षों ने संस्थान के अनुसंधान क्रियाकलापों और भावी कार्य क्षेत्र की प्रगति प्रस्तुत की। डॉ. जी. बासु ने भारत में प्राकृतिक रेशों की अवस्थिति पर विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया। आरएसी के सदस्यों ने प्राकृतिक रेशों पर विशेष बल देने के लिए संस्थान के नाम परिवर्तन पर विचार करते हुए सभी भावी अनुसंधान कार्यक्रमों को तैयार करने की सलाह दी।

सम्मेलन में भागीदारी

संस्थान ने 16-17 अक्टूबर, 2018 के दौरान एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में एग्री-स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव में भाग लिया, जिसका आयोजन आईपीटीएम यूनिट, आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा किया गया था। जिसमें संस्थान के तीन इंक्यूबेटर्स - मेसर्स फुलिया महिला एवं युवा कल्याण सोसायटी; मेसर्स पियाली हस्तशिल्प और मेसर्स गुणवत्ता निर्यात ने भाग लिया था। सम्मेलन का उद्घाटन श्री राधमोहन सिंह, माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री के कर कमलों से किया गया। श्री पी. अनुपाला, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा पंचायती राज तथा डॉ. टी. महापात्रा, सचिव डेयर एंड डीजी, आईसीएआर द्वारा स्टालों का भी दौरा किया गया। संस्थान ने 14-18 अक्टूबर, 2018 के दौरान ग्रेटर नोएडा, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेले (आईजीएचजीएफ) में भी भाग लिया।

एनएएससी कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में संस्थान का स्टाल

नोएडा में संस्थान का स्टाल

अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के अंतर्गत "जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण" विषयक पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण 25-29 मार्च, 2019 के दौरान संस्थान में आयोजित किया गया था। जिसमें कृषि आधारित शिल्प कार्य से जुड़े प्रत्येक प्रशिक्षण में बीस अनुसूचित जाति श्रेणी के किसानों ने भाग लिया था।

कार्मिक

नाम	पद	प्रभावी तारीख	प्रभाग	
श्री मंजूनाथ बी.एस.	वैज्ञानिक	09.10.2018	क्यूईएंडआई प्रभाग	*आपका हार्दिक अभिनंदन*
श्री अमित दास	तकनीकी सहायक (टी-3)	01.11.2018	क्यूईएंडआई प्रभाग	
श्री राजीव रंजन	अपर श्रेणी लिपिक	15.01.2019	प्रशासन II अनुभाग	
श्री साबिर चौधरी	अपर श्रेणी लिपिक	12.02.2019	प्रशासन III अनुभाग	

अधिवार्षिता सेवानिवृत्ति /त्यागपत्र

नाम	पदनाम	दिनांक	प्रभाग	विवरण
डॉ. सुभाष चंद्र साहा	प्रधान वैज्ञानिक	31.10.2018	क्यूईएंडआई प्रभाग	अधिवर्षिता
मोहम्मद नईम	वरिष्ठ तकनीसियन(टी-2)	31.01.2019	एमपी प्रभाग	तकनीकी त्यागपत्र

निदेशक, आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
(पूर्व आईसीएआर –निर्जाफ्ट)
द्वारा प्रकाशित
आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित संस्थान
12, रीजेंट पार्क, कोलकाता – 700040, पश्चिम बगाल
Phone: 033 2471 1807 (निदेशक)
कार्यालय - 033 2421 2115/16/17 (ईपीबीएक्स); फेक्स : 033 2471 2583
ई.मेल : director.ninfet@icar.gov.in; nirjaftdirectorcell13@gmail.com
वेबसाईट: www.nirjaft.res.in

भाकृअनुप
ICAR

मुद्रक: मेसर्स एसकेजी मीडिया, कोलकाता